हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

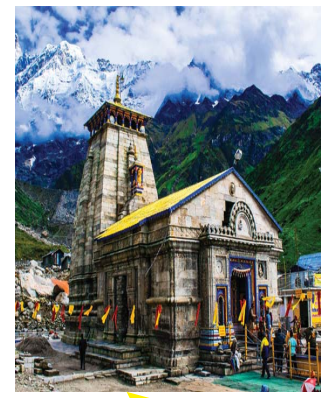

वर्ष:4 अंक:272 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, सोमवार, 06 अक्टूबर 2025

लैंसडाउन में गूंजा वीरों का जयघोष: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

● सैन्य धाम अमर आत्माओं का प्रतीक, आने वाली पीढ़ियों को करेगा प्रेरित : मुख्यमंत्री ● शहीदों के परिजनों के सम्मान में मुख्यमंत्री की कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ

पथ प्रवाह, योगेश शर्मा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को वीरभूमि लैंसडाउन में आयोजित शहीद सम्मान समारोह में प्रतिभाग कर शहीदों की अमर गाथाओं और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड की माटी हर घर से वीर सपूत देने वाली भूमि है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने शहीदों के परिजनों एवं आश्रितों को ताम्रपत्र और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने अमर शहीद गब्बर सिंह नेगी मेमोरियल में पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और कहा कि ÷वीर गब्बर सिंह नेगी जैसे अमर सपूतों के कारण ही आज देश सुरक्षित है।÷

सैन्य धाम अमर बलिदान का प्रतीक

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सैन्य धाम केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि यह अमर आत्माओं का प्रतीक और भावी पीढ़ियों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जनपदों से शहीदों के आंगन की पवित्र मिट्टी को एकत्र कर देहरादून में बन रहे भव्य सैन्य धाम में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर से 04 अक्टूबर तक चली शहीद सम्मान यात्रा 2.0, शहीदों के परिजनों के आंसुओं और त्याग का सम्मान है। यह कार्यक्रम उन वीरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन अर्पित किया।

सैनिकों के कल्याण को समर्पित सरकार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों और उनके परिजनों के हित में लगातार कार्य कर रही है –

शहीदों के परिजनों की अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी गई है। परमवीर चक्र विजेताओं को अब 1.5 करोड़ कर दी गई है। अंतिम संस्कार हेतु 10 हजार की सहायता राशि। भूमि खरीद पर स्टांप ड्यूटी में 25 प्रतिशत तक की छूट। शहीदों के 28 परिजनों को सरकारी सेवा में नियुक्ति, 13 मामलों की प्रक्रिया जारी। सेवा में आवेदन की समय सीमा 2 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष की गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि केंद्र सरकार ने सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन, आधुनिक उपकरण, बुलेटप्रूफ जैकेट, और उत्तम जूते जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी है और हर चुनौती का डटकर सामना करने में सक्षम है।

एक पेड़ शहीदों के नाम अभियान का आह्वान

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनता से अपील की कि जैसे ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान चलाया गया, वैसे ही अब ÷एक पेड़ शहीदों के नाम÷ लगाया जाए, ताकि समाज में शहीदों की स्मृति और बलिदान सदैव जीवित रहें।

शहीद सम्मान यात्रा 2.0 का हुआ समापन

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि शहीद सम्मान यात्रा 2.0 का लैंसडाउन में भव्य समापन हुआ। उन्होंने कहा कि 71 शहीदों के आंगन की मिट्टी सैन्य धाम में पहुंच चुकी है, जिसे अमर जवान ज्योति में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री की सैनिकों और वीर नारियों के प्रति संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड वीरभूमि – जहाँ हर घर में सैनिक

राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ-साथ वीरभूमि भी है। हम शहीदों को मृतक नहीं, बल्कि अमर वीर मानते हैं। आज हमारी आज़ादी उन्हीं के बलिदान की देन है। विधायक दिलीप सिंह रावत ने शहीदों के पराक्रम को नमन किया। समारोह में शहीद सम्मान यात्रा की झलकियों पर आधारित विशेष वीडियो क्लिप भी प्रदर्शित की गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण सचिव दीपेंद्र चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्षा रचना बुटोला, विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी, कर्नल ऑफ द रेजिमेंट ले.ज. डीएस राणा, ले.ज. शरत चंद्र (से.नि.), ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, गौ सेवा आयोग उपाध्यक्ष पं. राजेंद्र अंथवाल, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह, मेयर कोटद्वार शैलेन्द्र सिंह रावत सहित अनेक अधिकारी, शहीद परिवार और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की घोषणाएँ - शौर्य और सेवा को मिला सम्मान

- कोटद्वार सैनिक विश्राम गृह का जीर्णोद्धार कर आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा।
- कॉमन सर्विस सेंटर की स्थापना निदेशालय सैनिक कल्याण व जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में की जाएगी, जहां वीर नारियों और पूर्व सैनिकों की नियुक्ति होगी।
- गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर लैंसडाउन संग्रहालय के जीर्णोद्धार के लिए आर्थिक सहायता।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जयहरीखाल का उच्चीकरण किया जाएगा।
- शहीदों के नाम पर संस्थानों व सड़कों का नामकरण –
- राजकीय इंटर कॉलेज, कर्तिया – शहीद कमल सिंह रावत
- हाईस्कूल डोबरियासार – शहीद अनुज सिंह नेगी
- बरुआ-चिणबो मार्ग – शहीद केशवानंद ध्यानी
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र – शहीद हरीश जोशी
- जयहरीखाल-गुमखाल मार्ग – शहीद खुशाल सिंह नेगी
- द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों व विधवाओं को सम्मान राशि – अब अनुदान प्राप्त न करने की बाध्यता समाप्त।

मोदी ने दार्जिलिंग में मूसलाधार बारिश, भूस्खलन से हुयी मौतों पर किया दुख व्यक्त

सिलीगुड़ी /नयी दिल्ली। पूर्वी हिमालयी क्षेत्र दार्जिलिंग में मूसलाधार बारिश के कारण भीषण भूस्खलन होने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य लोग लापता हैं। भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 10 अवरुद्ध होने से सिक्किम, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये कहा कि स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही हैऔर सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, ÷दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हताहत हुये लोगों के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारी बारिश एवं भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷

अभी तक हताहतों की संख्या के बारे में तत्काल आधिकारिक पुष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन यह बताया जा रहा है कि शनिवार रात से अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत हुयी है।

गोरखा क्षेत्रीय प्रशासन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनित थापा के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया कि इस हादसे में लगभग 15 लोग मारे गये हैं। उन्होंने लोगों को बाहर नहीं निकलने की सलाह देते हुये कहा है कि प्रशासन प्रभावित लोगों को बचाने एवं सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगा हुआ है।

सूत्रों ने बताया कि मिरिक में कम से कम नौ लोग और दार्जिलिंग पहाड़ियों के ऊपरी सुखियापोखरी में चार लोग मारे गये हैं

दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट ने भारी बारिश से हुये व्यापक नुकसान पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷मौतें हुयी हैं, संपत्ति का नुकसान हुआ है और आधारभूत ढांचे को को नुकसान पहुंचा है। मैं स्थिति का जायजा ले रहा हूं और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हूं।÷

लगातार बारिश के बाद विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पूरी तरह से बंद हो गया है तथा 29वें माइल में तिस्ता नदी उफान पर है जिससे पहाड़ियों को सिलीगुड़ी से जोड़ने वाले राजमार्ग का उपरी हिस्सा बह गया है। मिरिक और धुड़िया के बीच लोहे का पुल ढहने से मिरिक और सिलीगुड़ी के बीच संपर्क टूट गया। लगातार बारिश से मैदानी इलाकों में जलपाईगुड़ी जिले के दोआर्स इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं जहां जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है।

जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार की नदियां भी कई निचले स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बचाव अभियान निरंतर जारी है लेकिन लगातार हो रही बारिश से इसमें बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थानीय अधिकारियों ने तीस्ता जैसी नदियों में बढ़ते जलस्तर के बारे में सूचना दी है। पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को घर में रहने की सलाह दी गई है क्योंकि क्षेत्र में और ज्यादा बारिश होने की संभावना है।

अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं लेकिन इनसे दूसरें क्षेत्रों में संबंध प्रभावित नहीं होने चाहिए:जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच चल रही रस्साकशी के बीच साफ शब्दों में कहा है कि कुछ समस्याएं और मुद्दे हैं जिनका समाधान नहीं हो पा रहा है लेकिन इन्हें इस हद तक ले जाने की जरूरत नहीं है कि जिससे अन्य क्षेत्रों में संबंध भी प्रभावित हों।

विदेश मंत्री ने क्वाड समूह को लेकर चल रही अटकलों पर भी विराम लगाते हुए कहा कि यह अभी भी सक्रिय है और सक्रिय रूप से काम कर रहा है। डा जयशंकर ने रविवार शाम यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में दुनिया भर में आर्थिक से लेकर व्यापारिक और राजनीतिक स्तर पर हो रहे बदलावों पर खुलकर भारत का दृष्टिकोण रखा। बाद में उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में अशांत समय में समृद्धि की तलाश विषय पर एक विशिष्ट सभा को संबोधित करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार, कनेक्टिविटी, डेटा और संसाधनों के लाभ से प्रेरित परिवर्तनों के रणनीतिक परिणामों पर प्रकाश डाला। साथ ही, विनिर्माण को विकसित

करने, जीवन को आसान बनाने और हमारी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक बदलावों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत के संबंध में उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ताओं का ठोस परिणाम नहीं निकल सका है ।

इसके कारण भारत पर दो तरह के शुल्क लगे हैं । रूस से तेल खरीद पर लगाये गये शुल्क को अनुचित बताते हुए उन्होंने कहा कि हम पर निशाना साधा जा रहा है जबकि अन्य देशों ने भी ऐसा किया है।

कनखल में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला महानगर कांग्रेस कमेटी हरिद्वार ने कनखल थाना के बाहर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं जैसे लूट, हत्या और चैन स्नैचिंग के विरोध में आयोजित किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आमजन विशेषकर महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से त्यौहार के समय महिलाएं और बच्चे घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही हरिद्वार में अपराध पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो कांग्रेस बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज सैनी और पूर्व पार्षद उपेंद्र कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार

में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है, जिससे अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। पूर्व पार्षद राजीव भार्गव और युवा नेता हिमांशु राजपूत ने बढ़ती बेरोजगारी और नशे को अपराध की मुख्य वजह बताया और प्रशासन से अवैध नशे के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना और पूर्व अध्यक्ष नितिन तेश्वर ने कहा कि यदि अपराध कम नहीं हुए, तो युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। पार्षद हिमांशु गुप्ता और ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा ने कहा कि कनखल में लगातार बढ़ती चैन स्नैचिंग की घटनाओं से महिलाओं में असुरक्षा का माहौल व्याप्त है।

महानगर कांग्रेस महासचिव विजय प्रजापति और उपाध्यक्ष राजेंद्र भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने ÷न भय, न भ्रष्टाचार÷ का नारा देकर सत्ता में आकर जनता को भ्रमित किया, लेकिन उनकी सरकार में भय और भ्रष्टाचार दोनों चरम पर हैं।

प्रदर्शन में कांग्रेस के दर्जनों नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें पार्षद सोहित सेठी, प्रतिनिधि ऋषभ वशिष्ठ, अकरम अंसारी, धनीराम शर्मा, उत्कर्ष वालिया, मुन्ना मास्टर, मनीष गुप्ता, भूषण शर्मा, आशु श्रीवास्तव, सुंदर मनवाल, ऋषभ अरोड़ा, विक्रम शाह, नकुल माहेश्वरी, शिवा लोधी, मोहित अरोड़ा, सुनील प्रजापति, दिग्विजय जेपी, विनय मिश्रा, पूर्व पार्षद सुहैल कुरैशी, मुकुल अरोड़ा, अभिषेक मिश्रा, पवन अरोड़ा, गवाक्ष जोशी, मयंक कश्यप, यश शर्मा, हरीश अरोड़ा, अज्जू खान, अंकित चौधरी, विशू भारद्वाज, अमित भारद्वाज, राजेश नैथानी, अरविंद गर्ग, करन सिंह राणा, सार्थक ठाकुर, अनिल ठाकुर, जासिद अंसारी, आशीष शर्मा आदि शामिल रहे।

एक नजर

विधिक जागरूकता शिविर में छात्र-छात्राओं को दी कानून की जानकारी

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। भारतीय जागरूकता समिति के संयोजन में हरिओम सरस्वती पीजी कालेज में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को यातायात कानूनों, सोशल मीडिया, साइबर क्राइम आदि के विषय में जागरूक किया गया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्य परिवहन कर अधिकारी रविंद्र पाल सैनी ने कहा कि सड़क पर नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इससे हम स्वयं के साथ दूसरों की भी सुरक्षा सकते हैं। दुर्घटनाओं का खतरा भी कम होगा। यातायात पुलिस निरीक्षक संदीप नेगी ने कहा कि अपने घर परिवार और आसपास के लोगों को कानून के प्रति जागरूक करे। पिरान कलियर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग संभलकर करें। किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख मूंद कर भरोसा ना करें। भारतीय जागरूकता समिति के अध्यक्ष हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता ललित मिगलानी ने सड़क सुरक्षा और साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि मौज मस्ती और अपराध में मामूली से अंतर है। कई बार मौज मस्ती अपराध में बदल जाती है। युवाओं को इससे बचना चाहिए। भारतीय उत्थान परिषद के अध्यक्ष डा.अंकित सैनी ने कहा कि प्रत्येक युवा कानून के प्रति जागरूक रहे और कानून का सम्मान करें। शिविर की अध्यक्षता कर रहे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ.अजयवीर सिंह पुंडीर उसने कहा कि कोई भी अपराध होने पर कानून की सहायता लेनी चाहिए और कभी भी कोई झूठी शिकायत ना करें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि एडवोकेट रमन सैनी, यातायात पुलिस उप निरीक्षक राकेश थपलियाल, यातायात पुलिस उप निरीक्षक रमेशचंद्र पंत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डा.योगेश कुमार ने किया। इस अवसर पर डा.रविंद्र कुमार, डा.जयदेव कुमार, डा.सुरभि सागर, डा.स्वाति, डा. रिमझिम पुंडीर, अमित कुमार, अंकेश चौहान आदि मौजूद रहे।

यमुनोत्री धाम पहुंची जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े द्वारा संचालित उत्तराखंड के समस्त पौराणिक तीर्थ की यात्रा के लिए निकली पवित्र छड़ी यात्रा सवेरे पवित्र यमुनोत्री धाम पूजा अर्चना के लिए पहुंची। हिमालय पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर वीरेंद्र आनंद गिरि, महामंडलेश्वर कंचन गिरि, श्री महंत पुष्कर राजगीरी श्री महंत पशुपति गिरी, श्री महंत कुश पुरी, महंत आकाश गिरी थानापति महंत रतन गिरी के नेतृत्व में लगभग 70 नागा संन्यासियों का जत्था हर हर बम बम महादेव का उद्घोष करते हुए पैदल यमुनोत्री धाम पहुंचा। मार्ग में श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों व स्थानीय नागरिकों ने छड़ी यात्रा तथा साधु संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया और पवित्र छड़ी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया गंगोत्री धाम पहुंचने पर यमुनोत्री मंदिर समिति तथा पुजारियों ने पवित्र छड़ी का स्वागत किया। पवित्र छड़ी को यमुना में स्नान कराने के पश्चात यमुनोत्री माता के मंदिर में वैदिक विधि विधान से पूजा अर्चना के लिए ले जाया गया जहां विश्व कल्याण देश व प्रदेश की उन्नति विकास के लिए प्रार्थना की। इससे पूर्व 5 अक्टूबर को ऋषिकेश में तारा मंदिर से श्री महंत संध्या गिरी श्री, महंत आनंद गिरि, महंत शांति गिरी महामंडलेश्वर देव ऋषि गिरी ने छड़ी की पूजा अर्चना कर रवाना किया। पवित्र छड़ी देर श्याम पौराणिक तीर्थ लाखामंडल पहुंची वहां मौजूद सैकड़ों श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने पवित्र छड़ी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पौराणिक कथाओं के अनुसार लाखामंडल का मंदिर द्वापर युग में पांडवों द्वारा स्थापित किया गया था ।यह वही स्थान है जहां दुर्योधन ने पांडवों को करने के लिए लाक्षागृह बनवाया था लेकिन उसके मंत्री विदुर की चतुराई के चलते पांडवों के प्राण बच गए थे मान्यता है की लाखामंडल की भूमि शिवमय है ।

एक नजर

जगजीतपुर में लक्सर रोड़ पर आया हाथियों का झुंड

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। वन्यजीवों के आबादी क्षेत्र में आने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बीती रात लक्सर रोड पर जगजीतपुर और मिस्सरपुर के बीच अचानक हाथियों का झुंड आने से हड़कंप मच गया। हाथियों के झुंड को देखकर दोनों और वाहन थम गए।

हाथी रिहायशी इलाकों की ओर से आ रहे था। लोगों के सूचना देने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। गनीमत रही कि इस दौरान हाथियों ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया। डीएफओ स्वप्निल अनिरूद्ध ने बताया कि हाथियों को आबादी में आने से रोकने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे है। टीमों की तैनाती भी की गयी है। हाथियों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए 9 किलोमीटर लंबी सेफ्टी वॉल बनाई जाएगी। गौरतलब है कि लक्सर रोड़ से सटे गांवों में आबाद हुई आवासीय कालोनियों में हाथी रोजना चहलकदमी कर रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में भय बना हुआ है।

ऋषिकुल पुल पर चलती बाइक में लगी आग

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। ऋषिकुल पुल पर एक बाइक में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने बाइक में लगी आग बुझायी। जानकारी के मुताबिक मेरठ निवासी विकास अपनी बाइक से हरिद्वार से मेरठ के लिए रवाना हुआ। ऋषिकुल पुल पर पहुंचे ही थे कि चलते-चलते अचानक बाइक में धुआं उठने लगा। विकास ने बाइक रोककर जब तक आग बुझाने का प्रयास किया उसमें लपटें उठने लगी। देखते देखते बीच पुल पर बाइक में आग लगने से अफरातफरी मच गयी। मौके पर लोगों की भीड़ गयी। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग बुझने तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ।

समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ 100 वर्षों से दृढ़ता से खड़ा है संघ: लोकेंद्र

प्रथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरिद्वार नगर की हरकी पैड़ी बस्ती द्वारा मायादेवी मन्दिर प्रांगण में संघ शताब्दी विजयदशमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शस्त्र पूजन किया गया। इस दौरान दिवगंत स्वयंसेवकों के चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके उपरांत स्वयंसेवको ने पथ संचलन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कई पीढ़ियों के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरिद्वार विभाग कार्यवाह लोकेंद्र ने संघ की 100 वर्षो की गौरव गाथा पर प्रकाश डालते हुए हरिद्वार मन्दिर शाखा के 83 वर्ष पूर्ण होने तथा विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम स्वयंसेवक बने और संघ के इस शताब्दी वर्ष को एक उत्सव में बदलने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार विचार आता है कि डा.हेडगवार ने विजयदशमी के दिन ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। इसलिए विजयदशमी का यह दिन हम सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। विजयदशमी प्रतीक है बुराई पर अच्छाई की जीत अधर्म पर धर्म की जीत का। दशहरे पर रावण को जलते हुए हमने देखा है और रावण का जो शाब्दिक अर्थ है जितनी भी बुराइयां, अत्याचार और दुराचार हैं, उनका समूचा नशा कर विजय प्राप्त करना।

पंच परिवर्तन का लिया सकंल्प

उन्होंने बताया कि इसी तरह संघ भी 100 वर्षो से समाज मे फैली बुराइयों के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है। संघ ने 100 वर्ष पूर्ण होने पर समाज परिवर्तन के लिए पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है। इसके अंतर्गत सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्यों के पालन, स्वाधारित जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमारे जीवन को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में मदद करता है।

खेलों से जीवन में आता है अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना : महंत रविंद्र पुरी जी महाराज

रामानंद इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड मैनेजमेंट में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ शुभारंभ

पथ प्रवाह, संवाददाता, हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं रामानंद इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड मैनेजमेंट के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी जी महाराज ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि जीवन में अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा भी देते हैं। युवाओं को शिक्षा के साथ खेलों को भी अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए, क्योंकि खेल से जीवन में संतुलन, संयम और समर्पण की भावना विकसित होती है।

महंत रविंद्र पुरी जी महाराज रविवार को संस्थान में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा में जीत और हार दोनों से सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि जो युवा खेलों में सक्रिय रहते हैं, वे जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की क्षमता रखते हैं।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर वैभव शर्मा ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इनमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं। बैडमिंटन प्रतियोगिता में एमबीए, बीकॉम, बीकॉम (ऑनर्स), बीफार्मा, डीफार्मा, बीटेक और पॉलिटेक्निक विभागों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में डॉ. मयंक गुप्ता, मनुज उनियाल, सूरज राजपूत, कुसुम लता, रोहित, सचिन, मंजीत, संगीता, स्वप्निल, आशु, राबिता, संदीप बर्मन, अमित सैनी, शिखा, प्रियंका, कविता सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

हरिद्वार-देहरादून में जमीन की कीमतों में बढोत्तरी, जिलाधिकारियों ने शासन को भेजी रिपोर्ट

पथ प्रवाह, संवाददाता। उत्तराखंड के हरिद्वार और देहरादून के जिलों में जमीन खरीदना अब महंगा पड़ सकता है। सरकार के निर्देशों के बाद जिलाधिकारियों ने सर्किल रेट में बढ़ोतरी के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिए हैं। फरवरी 2023 के बाद अब एक बार फिर रेट संशोधन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक हरिद्वार जिले के श्यामपुर, जगजीतपुर और बहादराबाद हाईवे के आसपास की जमीनों में भारी इजाफा प्रस्तावित है। वहीं देहरादून में भी विकासशील क्षेत्रों और मुख्य सड़कों के किनारे स्थित भूमि के सर्किल रेट में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। जिलाधिकारियों के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ने के कारण इन क्षेत्रों में संपत्ति की मांग लगातार बढ़ रही है। नए औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक प्रोजेक्ट्स के चलते जमीनों का बाजार मूल्य काफी बढ़ चुका है। फरवरी 2023 के बाद से प्रदेश में सर्किल रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी। अब संशोधित दरें लागू होने के बाद राज्य सरकार के राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, शासन से स्वीकृति मिलते ही नए सर्किल रेट लागू कर दिए जाएंगे, जिससे आम खरीदारों और निवेशकों को भूमि खरीद-बिक्री में अधिक मूल्य चुकाना पड़ेगा।

HRDA
हरिद्वार रूड़की विकास प्राधिकरण
मायापुर, हरिद्वार-249401 दूरभाष : 01334-221558, 220800
मो : 7500165555, 01334-299006

इन्द्रलोक आवासीय योजना भाग-1
(ग्रुप हाउसिंग)
(निकट पेंटागन मॉल व चिन्मय डिग्री कॉलेज)

ट्रांसपोर्टनगर योजना,
ज्वालापुर-हरिद्वार

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को निम्नवत् सूचित किया जाता है:-

(1) इन्द्रलोक आवासीय योजना (ग्रुप हाउसिंग) रिक्त भवनों की बिक्री हेतु दिनांक 10.07.2025 से 11.08.2025 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आरक्षित श्रेणी के भवनों के लिए आवेदन करने का यह अंतिम अवसर होगा।

(2) शासनादेश सं0 4912/9–आ–1–99/32 हडको/97टी0सी0 दिनांक 04.11.1999 के अनुसार आवासीय योजना (ग्रुप हाउसिंग) के रिक्त भवनों को अलोकप्रिय घोषित मानते हुए योजना के रिक्त भवनों की बिक्री हेतु इच्छुक व्यक्तियों से पहले आओ–पहले पाओं के आधार पर दिनांक 18.08.2025 से 31.03.2026 तक आवेदन आमंत्रित किये जाएगें हैं। आरक्षित श्रेणी के आवेदकों से प्राप्त आवेदन को आवंटन में वरीयता प्रदान की जाएगी।

(3) ट्रांसपोर्टनगर योजना ज्वालापुर, हरिद्वार के रिक्त भूखण्डों की बिक्री हेतु निविदा सहनीलामी व पंजीकरण के (पहले आओ पहले पाओ के आधार पर) माध्यम से दिनांक 10.07.2025 से 31.12.2025 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

website : www.onlinehrda.com
अधिक जानकारी के हेतु व्हाट्सएप्प व कॉल इस नम्बर पर करें- 7500165555

शैफाली गुप्ता
(उत्तराखण्ड वित्त सेवा)
मुख्य वित्त अधिकारी

मनीष कुमार सिंह
(पी.सी.एस.)
सचिव

अंशुल सिह
(आई.ए.एस.)
उपाध्यक्ष

संपादकीय

देवभूमि बनी खेलभूमि: उत्तराखंड के युवा प्रतिभाओं का नया आयाम

उत्तराखंड, जो सदियों से अपने प्राकृतिक सौंदर्य और सैनिकों की वीरभूमि के लिए जाना जाता रहा है, आज खेलों के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने लगा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा आयोजित उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2025 के समापन समारोह में यही स्पष्ट हुआ कि इस प्रदेश के युवा अब केवल पर्वतों की उचाईयों तक ही सीमित नहीं, बल्कि खेलों की दुनिया में भी परचम लहरा रहे हैं।

हरिद्वार एलमास उत्तराखंड प्रीमियर लीग की विजेता टीम ने केवल ट्रॉफी ही नहीं जीती, बल्कि खेलों के प्रति युवाओं की लगन और अनुशासन का भी संदेश दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है आपकी खेल भावना और निरंतर आगे बढ़ने का जज्बा।

उत्तराखंड की खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने में प्रधानमंत्री मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट ने नई दिशा दी है। इसी प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने खेलों के समग्र विकास हेतु कई कदम उठाए हैं। हल्द्वानी में उत्तराखंड का पहला खेल विश्वविद्यालय और लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

क्रिकेट में महिला और पुरुष खिलाड़ियों की समान भागीदारी राज्य की खेल नीति की सफलता को दर्शाती है। राघवी बिष्ट, प्रेमा रावत और नंदनी कश्यप जैसी प्रतिभाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह दर्शाता है कि देवभूमि में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावना है, जिसे निखारने की जरूरत है।

सरकार की नई %स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान% के तहत आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों से हर साल 920 विश्वस्तरीय एथलीट उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी, खेल कोटे और पुरस्कारों के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने युवाओं को संदेश दिया कि सफलता का मंत्र केवल ÷विकल्प रहित संकल्प÷ है। यही संकल्प ही उन्हें न केवल खेल के क्षेत्र में बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में नेतृत्व देने में सक्षम बनाएगा।

उत्तराखंड अब सिर्फ देवभूमि ही नहीं, बल्कि खेलभूमि के रूप में भी उभर रहा है। युवा प्रतिभाओं ने राज्य का परचम देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लहराने की दिशा में पहला कदम उठा दिया है। यह समय है कि हम इन संभावनाओं को निखारें और देवभूमि को खेलों की दुनिया में भी चमकदार बनाएं।

महर्षि वाल्मीकि ने महाग्रन्थ रामायण के जरिये देश को एकता के सूत्र में पिरोया

कांतिलाल मांडोत

पौराणिक भारतीय महसकाव्य रामायण के रचियता ऋषि वाल्मीकि की जन्म जयंती मनाई जा रही है।वाल्मीकि जयंती को प्रकट दिवस के रूप में मनाते है।वाल्मीकि रामायण संस्कृत में रचित एक महाकाव्य है,जिसमे भगवान के जीवन की कथा है।वाल्मीकि समाज के लोग वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाते है।वाल्मीकि ने नारद के कहने पर अधर्म का मार्ग छोड़ धर्म के मार्ग चुना और रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना की गई।आदिकाल के महर्षियों में से एक वाल्मीकि जिन्होंने प्रभु राम की महिमा का विस्तार और वर्णन किया।महर्षि वाल्मीकि विश्व की जगमगाती एक महान विभूति थे।मनीषी और मनस्वी थे।पहले उनका जीवन नीरस था। वाल्मीकि बचपन मे राह चलते राहगीरों को लूटते थे।एक दिन नारदजी ने उनको दर्शन देकर उनका मार्गदर्शन किया।

वाल्मीकि जी ने कई वर्षों तक घोर तपस्या की और प्रसन्न होकर ब्रह्मदेव ने उन्हें महर्षि होने का वरदान दिया। और प्रभु श्रीराम के बारे में लिखने को कहा गया।

कहते है कि माँ के पेट से कोई सीखकर नही आता है।जन्म के बाद ही अपने कर्मो के अनुसार भाग्य बनता है और बिगड़ता है।भारतीय संस्कृति में ऐसे कई सिद्ध पुरुष हुए है,जिनका जीवन साधारण और निकृष्ट था।लेकिन विद्वानों के सम्पर्क -संसर्ग में आने के बाद उनका जीवन कमलफूल जैसा बन गया।डाकू से महर्षि बनने पर उन पर प्रभाव पड़ा था,वह ब्रह्मदेव साधारण मानव नही थे।

एक बार वन में भ्रमण करते वाल्मीकि ने एक क्रोंच पक्षी के जोड़े को प्रेम में लीन देखा परन्तु वहीं एक शिकारी ने तीर चलाकर नर पक्षी को मार दिया और तब वाल्मीकि के मुख से संस्कृत में पहला श्लोक निकला जिसने रामायण की नींव रखी।

इतिहासकारों के अनुसार वाल्मीकि उसी सदी में रामायण की रचना कर रहें थे जिस सदी में भगवान राम मौजूद थे। जब श्रीराम ने गर्भवती माता सीता का लोकापवाद के कराण परित्याग कर दिया तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आश्रय लिया और वहां लव- कुश को जन्म दिया।

श्रीराम और माता सीता के पुत्र लव और कुश की प्राथमिक शिक्षा-दीक्षा वाल्मीकि के द्वारा ही हुई।वाल्मीकि का जीवन सहस्त्र कमल के समान सुवासित व रमणीय बन चुका था।जो प्रतिपल अपने मधुर सौरभ कोष लुटाता रहता था ।लोगो को तेजस्वी सूर्य के समान दिव्य आलोक प्रदान करता रहता था।और गंगा के निर्मल प्रवाह की तरह सरसता का प्रचार करता रहता था।वह भारतीय जनजीवन के लिए उपकारक एवं हितकारक था।प्रभु राम की जीवन कहानी लिखने वाले विश्व के झार्जरमान नक्षत्र प्रभु राम का नाम जब जब जिव्हा पर आएगा, तब-तब वाल्मिकी को भी याद किया जाएगा।वाल्मीकि का विराट जीवन परम पावन निपट गाथा जो भी उनके संसर्ग में आया था वह अनिर्वचनीय आनन्द,तृप्ति और मानसिक विश्रांति का अनुभव किये बिना रह नही सकता था।वस्तुतः वाल्मीकि का जीवन रमणीयता का अक्षय कोष था।उत्तरकांड में एक सुंदर बात लिखी है जो संसार रूपी सागर का पार पाना चाहता है,उसके लिए तो श्रीराम कथा दृढ़ नौका के समान है।हरि के गुण समूह विषयी लोगो के लिए भी कानो को सुख देनेवाले और मन को आनन्द देने वाले है।

वाल्मीकि रामायण के इस पवित्र ग्रन्थ से जन जन के जीवनोत्कृष्ट की मंगलमय भावना हेतु विश्व को समर्पित किया।वाल्मीकि को मानने वाले दुनिया मे लोग कम नही है।क्योंकि उनके द्वारा लिखी रामायण से अनन्त सौरभ,अनन्त आनंद और अनन्त प्रकाश को कुबेर की तरह दुनिया मे बांट रहे है।उस विराट व्यक्तित्व को जड़ लेखनी कैसे अभिव्यक्त कर सकती है।उन्होंने इस बात को प्रमाण दिया कि एक साधारण और आचरण से विमुख व्यक्तित्व कैसे सिद्ध पुरुष बन सकते है।संसर्ग से एक तस्करी महर्षि बन जाता है।यह भारतीय संस्कृति की महानता है कि पत्थर को पारस बनाने की कला और सामर्थ्य इसी धरा में है।वाल्मीकि रामायण भावुकता के प्रवाह में बहकर नही लिखी।भावुकता और दया वाल्मीकि में नही थी।लेकिन ऋषियों का संसर्ग उनको तारने और विश्व प्रसिद्ध बनाने का निमित बना।

शरद पूर्णिमा: चंद्र विज्ञान और आस्था का अद्भुत संगम

योगेश कुमार गोयल

हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अक्तूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से आरंभ होकर 7 अक्तूबर की सुबह 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगी, इसलिए शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर की रात को मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं।'

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और बृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है।

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है।

कुछ स्थानों पर शरद पूर्णमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

प्रशांत किशोर: जाति-धर्म से ऊपर उठकर बिहार के भविष्य की बात

दिलीप कुमार पाठक

पिछले एक दशक से देश की राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी के बाद जिनका सबसे ज़्यादा ज़िक्र हुआ है, वो हैं जन सुराज पार्टी के संस्थापक एवं चुनावी राजनीति के प्रसिद्ध रणनीतिकार नाम है प्रशांत किशोर.... प्रशांत किशोर पांडे। पीएम मोदी को गुजरात के पटल से भारत के पटल पर स्थापित करने में प्रशांत किशोर की भूमिका अग्रणी रही है। प्रशांत किशोर एक समय तो नरेंद्र मोदी के घर में ही रहते थे, 2014 चुनाव में प्रशांत किशोर ने पीएम मोदी की चुनावी राजनीति एवं कैंपेन की ज़िम्मेदारी संभाली थी, हालांकि प्रमुख पहिचान उनकी नरेंद्र मोदी से अलग होने के बाद ही बनी। बहरहाल प्रशांत किशोर का राजनीतिक अतीत क्या था महत्वपूर्ण यह नहीं है। परंतु महत्वपूर्ण वर्तमान है। पिछले तीन साल से प्रशांत पूरे बिहार में पैदल लोगों से मिलते जुलते रहे, निरन्तर ज़मीन पर घूमते हुए लोगों के साथ जुड़ रहे हैं। जन सुराज पार्टी ने पिछले कुछ वक़्त में ही बिहार में डेढ़ करोड़ से अधिक सदस्यों को पार्टी से जोड़ा है, अतः अब जन सुराज पार्टी करोड़ों कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों वाली पार्टी हैद्य

पिछले कुछ महीनों से प्रशांत ने चुनावी कैंपेन की शुरुआत की है, तब से आरजेडी, जदयू, भाजपा सभी प्रशांत से असहज महसूस कर रहे हैं, प्रशांत किशोर सारी पार्टियों के लिए काम कर चुके हैं नेताओ को गाइड कर चुके हैं तो किसी भी पार्टी के छोटे - छोटे नेता सीधे प्रशांत किशोर पर टार्गेट नहीं कर पा रहे, वहीँ प्रशांत सम्राट चौधरी, तेजस्वी यादव की नाक में दम कर रहे हैं, नीतीश कुमार की आलोचना तो करते हैं परंतु उनके लिए एक सम्मान भी प्रदर्शित करते हैं, यही बात प्रशांत की लोगों के बीच खास बनाती है। तेजस्वी यादव की बॉडी लेंग्वेज ही बहुत कुछ कहती है, विदेश में पढ़े लिखे, विदेश में नौकरी करने वाले प्रशांत जब से बिहार में हैं तब से बिल्कुल बिहारी भाषा में बात करके लोगों के साथ जुड़ रहे हैं, वहीँ जब से प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव को नौवीं फेल कहा है, तब से तेजस्वी यादव खुद को पढ़ा लिखा साबित करने के लिए मंचों पर इंग्लिश बोलने लगते हैं जबकि ये बिल्कुल हास्यापद है, बिहार के मंचों पर आप अंग्रेजी बोलने की कोशिश कर रहे हैं, तेजस्वी यादव की ये हरकत उन्हें बेहद अपरिपक्व नेता साबित करती है। वहीँ सम्राट चौधरी की उम्र एवं उनके कई नामों वाले एफिडेविट का दावा प्रशांत ने किया है तब से प्रशांत चौधरी बिल्कुल भी सहज नहीं दिख रहे, पगड़ी बांधने खोलने के समय भी सम्राट चौधरी इतने हताश नहीं दिखे जितना अब दिख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर विमर्श कर रहे हैं कि प्रशांत किशोर को सीबीआई, ईडी का डर नहीं है क्या! इसका सीधा सा ज़वाब है कि नरेंद्र मोदी की छवि आज भी राजनीतिक लोगों के बीच रहस्यमयी है, वहीँ प्रशांत किशोर कहते हैं कि मैंने उनके साथ काम किया है उनकी नस - नस से वाकिफ़ हूं मुझे पीएम मोदी से कोई डर नहीं है, ये बात सच है कि प्रशांत किशोर देश के बड़े से बड़े नेताओ की ताकत एवं कमजोरी की जानकारी रखते हैं, एक समय तो अमित शाह भी प्रशांत किशोर से असुरक्षित महसूस कर रहे थे, वहीँ नीतीश कुमार ने तो पार्टी का उपाध्यक्ष बना दिया था, जदयू की पूरी कमान छोड़कर एकदम से नई पार्टी बनाकर मैदान में कूद गए, जबकि नीतीश कुमार ने कहा था कि प्रशांत को मैं अपनी राजनीतिक विरासत सौंप दूँगा। यही खूबियां हैं जो प्रशांत किशोर को राजनीति का माहिर खिलाड़ी सिद्ध करती है। राजनीतिक गुणा - गणित में प्रशांत किशोर का कोई सानी नहीं है, उन्होंने पिछले एक दशक में अधिकांश चुनाव बतौर रणनीतिकार जीते हैं, वहीँ आंकड़ों की समझ उन्हें अन्य नेताओ की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी बनाती है। प्रशांत का कहना है कि जदयू भाजपा - कांग्रेस - आरजेडी चारो को लगभग - लगभग 65% वोट मिलता है, वहीँ लगभग 35 वोट बिखरा हुआ है, जाहिर सी बात है कि ये 35% लोग इन चारो दलों को वोट नहीं देना चाहते, वहीँ कुछ नए विचारो के लोग हैं जो जाति - धर्म से उठकर इन चारो से तंग आ गए हैं, अगर चारो पार्टियों का 1-1% वोट भी जन सुराज की तरफ खिसक गया तो प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति के नए किंग या किंगमेकर बन सकते हैं। यही कारण है कि बिहार की सारी पार्टियों की नींद उड़ी हुई है, अभी कुछ सर्वे आदि में दावा किया गया है कि बिहार के 20-25% लोग प्रशांत किशोर को सीएम के रूप में देखना चाहते हैं। प्रशांत किशोर की पांडे जाति खोजकर बताने वाले नेताओ की नाक में दम कर रहे हैं, प्रशांत का दावा है कि मैं इस बार बिहार की राजनीति को जाति - धर्म से हटकर बुनियादी मुद्दों की ओर खींचकर लाऊँगा अगर बिहार के लोगों ने अपने अतीत की गलतियो से सीखते हुए नए विकल्प की ओर देखा जो जाति - धर्म से हटकर बात करता है तो जन सुराज पार्टी अर्श पर होगी।

प्रशांत किशोर पूरे बिहार के लोगों को तर्कों सहित समझाते हैं, कई बार लोगों को डांटते भी हैं कि आप लोग जाति धर्म के नाम पर अपने बच्चो का नुकसान करते आए हैं, अब तो बच्चो के लिए सोच लीजिए, तो लोग उनके डांटने का बुरा नहीं मानते। पूरे बिहार में जन सुराज की चर्चा, लोगों में एक आशा जगी है कि शायद ये इतना पढ़ा लिखा व्यक्ति शायद बिहार की राजनीति सहित यहां का भाग्य बदल सकता है। बिहार में एक नारा लग रहा है कि बिहारियों ये आख़िरी मौका है जब बिहार में एक सकारात्मक सोच की राजनीति का उदय हो रहा है अन्यथा फिर कभी कोई बिहार में सकारात्मक सुधार की शुरुआत नहीं कर पाएगा। प्रशांत किशोर सरकार बना पाएं या नहीं परंतु इस बार चुनाव में प्रशांत किशोर को दरकिनार कर पाना किसी के बस की बात नहीं होगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नवप्रवेशित एमबीबीएस छात्रों को दिलाई चरक शपथ

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा/देहरादून

राजकीय मेडिकल कॉलेज, अल्मोड़ा में आयोजित वर्ष 2025 की व्हाइट कोट सेरेमनी गरिमामय माहौल में संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नवप्रवेशित एमबीबीएस छात्रों को चरक शपथ दिलाई और उन्हें चिकित्सक के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का संकल्प दिलाया।

डॉ. धन सिंह रावत ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का जीवन सेवा, अनुशासन और करुणा पर आधारित होता है। इसलिए एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं पूरे मनोयोग और लगन से अध्ययन कर समाज की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यहां सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में कॉलेज में पीजी कोर्स (विशेषज्ञता पाठ्यक्रम) भी प्रारंभ किए जाएंगे, ताकि उत्तराखंड को और अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक मिल सकें।

कार्यक्रम में अल्मोड़ा सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने नए बैच के छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ. धन ?सिंह रावत के नेतृत्व में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में निरंतर सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर अल्मोड़ा से कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने भी स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की कार्यशैली की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक भेदभाव से परे होकर यदि प्रदेश में कहीं उत्कृष्ट कार्य हुए हैं तो उनमें शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग अग्रणी हैं। तिवारी ने कहा कि डॉ. रावत के प्रयासों से अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज न केवल जनहित का केंद्र बना है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार और अवसर का माध्यम भी बना है। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में स्थानीय जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जो भी मांगें रखी गईं, उन्हें मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने तत्काल पूरा किया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा विभागों में की गई हजारों नियुक्तियों के लिए भी स्वास्थ्य मंत्री की सराहना की और कहा कि यह राज्य के युवाओं के लिए वरदान साबित हुई हैं। कार्यक्रम में अल्मोड़ा के महापौर अजय वर्मा, विधायक प्रमोद नैनवाल, दर्जा राज्य मंत्री गंगा बिष्ट, पूर्व विधायक रघुनाथ चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सी.पी. भैसोड़ा, फैकल्टी सदस्य और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उत्तराखंड प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 की चैंपियनशिप का खिताब हरिद्वार एलमास टीम के नाम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजेता और उप विजेता टीमों को किया सम्मानित

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम रायपुर, देहरादून में आयोजित उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2025 की चैंपियन बनी हरिद्वार एलमास टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों और आयोजन समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी इस बार जीत से कुछ कदम दूर रह गए हैं, वे निराश न हों – खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है खेल भावना, परिश्रम और आगे बढ़ने का जज़्बा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेल से अनुशासन, टीमवर्क और संघर्षशीलता जैसे गुण विकसित होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को नई दिशा दी है। आज भारत खेलों के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड द्वारा पुरुषों के साथ-साथ महिला क्रिकेट को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इस बार महिला खिलाड़ियों की चार टीमों ने बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि राज्य की तीन बालिकाएं – राघवी बिष्ट, प्रेमा रावत और नंदनी कश्यप – न्यूजीलैंड में होने वाली सीरीज में भारतीय टीम में जगह बनाकर राज्य का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड के युवा पूरे भारत में राज्य की अलग पहचान बना रहे हैं। लेकिन यह भी चिंतन का विषय है कि पहाड़ी मूल के खिलाड़ी अपने राज्य की बजाय अन्य राज्यों की टीम से खेल रहे हैं।

आईपीएस लोकेश्वर सिंह का संयुक्त राष्ट्र से सम्बद्ध संगठन में चयन

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखण्ड कैडर के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी लोकेश्वर सिंह का चयन संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से सम्बद्ध एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में हुआ है। यह चयन एक कठिन और अत्यंत प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के बाद संभव हुआ है, जिसमें विश्वभर के सक्षम और योग्य अधिकारी भाग लेते हैं। इस प्रतिष्ठित चयन से भारत और उत्तराखण्ड दोनों के लिए गर्व का क्षण उत्पन्न हुआ है। 2014 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अफसर लोकेश्वर सिंह वर्तमान में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), पौड़ी गढ़वाल के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने हरिद्वार, देहरादून, बागेश्वर, चंपावत और पिथौरागढ़ जैसे जिलों में सेवा देते हुए अपनी दक्षता, नेतृत्व क्षमता और संवेदनशील पुलिसिंग के लिए विशेष पहचान बनाई है। उनके कार्यकाल में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। संयुक्त राष्ट्र से सम्बद्ध इस संगठन में वे अब शांति स्थापना (Peacebuilding), संस्थागत अखंडता (Institutional Integrity) और सतत विकास (Sustainable Development) जैसे वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में योगदान देंगे। उनकी भूमिका विश्व समुदाय में भारत की पुलिस सेवा की पेशेवर उत्कृष्टता और नैतिक प्रतिबद्धता को भी उजागर करेगी। यह नियुक्ति न केवल लोकेश्वर सिंह की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उत्तराखण्ड पुलिस के लिए भी एक प्रेरणादायी अध्याय है। उन्होंने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया है कि उत्तराखण्ड पुलिस के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ने में सक्षम हैं। सूत्रों के अनुसार, लोकेश्वर सिंह शीघ्र ही राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय को औपचारिक रूप से अनुमोदन हेतु आवेदन प्रस्तुत करेंगे। अनुमोदन के बाद वे उत्तराखण्ड कैडर से कार्यमुक्त होकर अपनी नई अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी संभालेंगे। यह गौरवपूर्ण चयन भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त करेगा तथा उत्तराखण्ड पुलिस के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

एक नजर

पूर्व केंद्रीय शस्त्र बल कार्मिक संगठन ने की मासिक संगोष्ठी

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। पूर्व केंद्रीय शस्त्र बल कार्मिक संगठन की मासिक संगोष्ठी का आयोजन भेल स्थित सीआईएसफ कैंप परिसर में किया गया। राजेंद्र बाबू पुष्कर की अध्यक्षता व संगठन सचिव राजीव शर्मा के संचालन में आयोजित संगोष्ठी में सदस्यों ने अपनी समस्याओ से अवगत कराने के साथ कई विषय रखे। संगठन के अध्यक्ष एडवोकेट रूपचंद आजाद ने समस्याओं समाधान व निराकरण के लिए की जानें वाली कार्रवाई के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सभी समस्याओं का सिलसिलेवार निराकरण कराया जाएगा। इसके लिए वह 8 अक्तूबर को संगठन के पदाधिकारियों के साथ देहरादून में सीजीएचएस निदेशक से मुलाकात करेंगे। हरिद्वार में एक डिस्पेंसरी व हरिद्वार तथा रूड़की के एक-एक निजी अस्पताल को पैनल में शामिल करने के विषय पर भी वार्ता करेंगे। इस अवसर पर सुभाष कपूर, राजकुमार रवि, एसडी शर्मा, गिरीश प्रसाद, बाबू राम, जयप्रकाश, मामचंद, कपिल शर्मा, बलविंदर शर्मा, रनवीर सिंह, प्रवीर सिंह, मातवर सिंह, हरिमोहन, देव प्रकाश, विरेन्द्र सिंह, मामचंद, प्रसाद आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग, युवाओं की ऊर्जा और खेल भावना का उत्सवः त्रिवेन्द्र

पथ प्रवाह संवाददाता, देहरादून। देहरादून में आयोजित उत्तराखंड प्रीमियर लीग सीजन-2 (PL-2) के रोमांचक फाइनल मुकाबले में सांसद हरिद्वार एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद, डोमरियागंज लोकसभा के श्री जगदम्बिका पाल जी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबला हरिद्वार एल्मास और नैनीताल टाइगर्स के बीच खेला गया, जिसमें हरिद्वार एल्मास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने विजेता टीम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की युवा ऊर्जा, खेल भावना और अनुशासन का जीवंत उत्सव है। खिलाड़ियों की लगन और टीम भावना प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक सशक्तिकरण का माध्यम हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। सांसद श्री रावत ने आशा व्यक्त की कि ऐसे आयोजन प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेंगे तथा उत्तराखंड को खेल क्षेत्र में नई पहचान दिलाएंगे।

सांसद अनिल बलूनी की पहल पर ज्योतिर्मठ में मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम की स्वीकृति

सांसद अनिल बलूनी ने जताया केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया का आभार, कहा—यह युवाओं के लिए बड़ा तोहफा

**पथ प्रवाह संवाददाता,
ज्योतिर्मठ/चमोली**

संदीप बर्तवाल । गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनिल बलूनी की पहल पर ज्योतिर्मठ में मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम बनने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मां?डविया ने स्पोर्टस स्टेडियम बनाने की स्वीकृति प्रदान कर दी। जिसके बाद क्षेत्र के युवाओं की लंबे अरसे से चली आ रही मांग भी पूरी हो गई। स्वीकृति की सूचना मिलते ही पूरे पैनखंडा क्षेत्र में खुशी और उत्साह की लहर है।

केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा स्टेडियम की स्वीकृति दिए जाने के बाद गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ा उपहार है, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

सांसद अनिल बलूनी ने आग्रह किया है कि स्वीकृत मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण जोशीमठ के रविग्राम में किया जाए।

उन्होंने कहा कि इससे जोशीमठ और आसपास के गांवों के युवाओं को खेल सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने मिनी स्टेडियम बनने की केंद्रीय मंत्री की स्वीकृति के पत्र की जानकारी क्षेत्रवासियों को दी तो उत्साह का माहौल बन गया। नगर भाजपा और युवा खेल विकास समिति ज्योतिर्मठ के पदाधिकारियों ने आतिशबाज़ी और मिठाई वितरण कर खुशी जताई। नगर भाजपा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह निर्णय क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगा।

गौरतलब है कि इसी वर्ष हुए नगर पालिका चुनावों के दौरान पार्टी प्रत्याशी सुषमा डिमरी के समर्थन में आयोजित सभा में सांसद बलूनी ने जोशीमठ में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की थी। अब उस घोषणा के साकार होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और संतोष का माहौल है। कार्यक्रम में बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, विजय कफरूवाण, पूर्व उपाध्यक्ष किशोर पंवार, नगर मंडल अध्यक्ष अमित सती, महामंत्री समीर डिमरी, जिला मंत्री प्रवेश डिमरी, युवा खेल विकास समिति अध्यक्ष सौरभ राणा, कोषाध्यक्ष ललित थपलियाल, सभासद प्रदीप पंवार, वरिष्ठ भाजपा नेता भगवती प्रसाद नंबूरी, बद्री प्रसाद बगवाड़ी, शुभम डिमरी, श्रीराम डिमरी, अनिल सकलानी, सुखदेव महिपाल, पूर्व निदेशक मुकेश कुमार, लक्ष्मी साह, अंजू फरस्वाण, गौरव नंबूरी, कांता साह, बबली राणा, लता भुजवान, सुमेधा भट्ट, विजया ध्यानि और वेजयंती कुणियाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने कहा कि मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम बनने से क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवा खेल प्रतिभाओं को निखारने का नया अवसर प्राप्त होगा।

एक नजर

जिलाधिकारी ने धराली में आपदा पुनर्निर्माण कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण, प्रभावितों के लिए 14 अक्टूबर को लगेगा विशेष शिविर

सेबों की मिठास ने बढ़ाई सीमांत गांवों की रौनक, पर्यटन संग फली-फूली स्थानीय अर्थव्यवस्था

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह /धराली/उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा मार्ग के महत्वपूर्ण पड़ाव धराली गांव में शनिवार देर सायं पहुंचे जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने आपदा प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण कर पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने धराली के ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए 14 अक्टूबर को धराली गांव में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस शिविर में प्रभावित परिवारों के आवश्यक प्रमाणपत्र जैसे निवास, आय, जाति, क्षतिपूर्ति आदि मौके पर ही निर्गत किए जाएं। इसके लिए स्वास्थ्य, राजस्व, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभागों को अनिवार्य रूप से शिविर में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन सेब कलेक्शन एवं ग्रेडिंग सेंटर का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे स्थानीय किसानों और बागवानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा सेब विपणन में पारदर्शिता बढ़ेगी।

धराली से मुखबा पैदल मार्ग पर चल रहे सुरक्षात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और सुविधा दोनों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है। इसी क्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और यात्रा मार्गों व पड़ावों पर स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इन दिनों सीमांत के गांव सुखी, झाला, जसपुर, पुराली, हर्षिल और धराली में सेब सीजन अपने चरम पर है। यात्रा पर आए तीर्थयात्री यहां के ताजे सेब की खरीदारी कर रहे हैं, जिससे स्थानीय बागवानों को अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि सेब उत्पादन, विपणन और पर्यटन का यह संगम स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला साबित हो रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल, ईई लोक निर्माण विभाग, आपदा समन्वयक जय पंवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सीमांत जादूंग बनेगा सीमांत पर्यटन का नया हब, वाइब्रेंट विलेज योजना से बदल रही है भारत-चीन सीमा की तस्वीर

भारत-चीन सीमा पर बसे जादूंग गांव में 14 होमस्टे निर्माणाधीन, वाइब्रेंट विलेज योजना से लौटेगी सीमांत जीवन में रौनक

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य बोले अब सीमांत गांवों में विकास और सुरक्षा साथ-साथ, जादूंग होगा उत्तराखंड का आदर्श मॉडल

पथ प्रवाह, संवाददाता

जादूंग/उत्तरकाशी। भारत-चीन सीमा से सटे उत्तरकाशी जनपद का ऐतिहासिक सीमांत गांव जादूंग, जो कभी 1962 के युद्ध की खामोश गवाही बनकर रह गया था, अब वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत पर्यटन, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों और परंपरा से सजे इस गांव में अब विकास की गूंज सुनाई देने लगी है। सीमांत क्षेत्र का यह गांव अब ÷राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमांत जीवन के पुनरुत्थान÷ का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है।

रविवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जादूंग गांव का स्थलीय निरीक्षण कर वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरे किए जाएं ताकि आगामी पर्यटन सीजन से पूर्व गांव पूरी तरह तैयार हो सके। निरीक्षण से पूर्व जिलाधिकारी ने सीओ आईटीबीपी भानुप्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ सीमांत सुरक्षा, स्थानीय सहभागिता और विकास परियोजनाओं के समन्वय पर गहन चर्चा की।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि योजना के प्रथम चरण में छह पारंपरिक शैली के होमस्टे निर्माणाधीन हैं, जबकि दूसरे चरण में आठ अतिरिक्त होमस्टे बनाए जाएंगे। कुल 14 होमस्टे के निर्माण से पर्यटकों को सीमांत

क्षेत्र में सुरक्षित और सुविधाजनक ठहरने की आधुनिक व्यवस्था मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन होमस्टे को इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि इनमें स्थानीय वास्तुकला, संस्कृति और जीवनशैली की झलक स्पष्ट रूप से दिखे।

जिलाधिकारी ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज योजना का उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं है, बल्कि यह सीमांत गांवों को आत्मनिर्भर, जीवंत और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का अभियान है। उन्होंने कहा कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान जादूंग गांव खाली कराया गया था, लेकिन स्थानीय लोग आज भी अपने देवस्थानों की पूजा के लिए यहां आते रहे हैं। अब केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज योजना ने इस गांव को फिर से बसाने और पर्यटन के माध्यम से पुनर्जीवित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र में अब आधुनिक सुविधाओं, सड़क संपर्क, ऊर्जा और संचार ढांचे के साथ पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। निकट भविष्य में जादूंग न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे भारत का सीमांत पर्यटन मॉडल गांव बनेगा। वाइब्रेंट विलेज योजना से जादूंग के युवाओं को अब सीमांत क्षेत्र में ही रोजगार और उद्यमिता के अवसर मिलेंगे। गांव में सड़क, संचार और ऊर्जा जैसी सुविधाओं के विस्तार से यहां के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में बड़ा परिवर्तन होगा। स्थानीय संस्कृति और हस्तशिल्प को प्रोत्साहित कर सीमांत क्षेत्र को पर्यटन और सुरक्षा दोनों की दृष्टि से रणनीतिक रूप से सशक्त किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ एस.एल. सेमवाल, सीओ आईटीबीपी भानुप्रताप सिंह, जिला पर्यटन विकास अधिकारी के.के. जोशी, समन्वयक आपदा जय पंवार, कपिल उपाध्याय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

91 वर्षीय समाजसेवी हरि सिंह राणा के जीवन व कार्यों पर आधारित लघु स्मारिका का हनुमान मंदिर में हुआ विमोचन

गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान बोले यह स्मारिका समाजिक चेतना और परंपरा का जीवंत प्रतीक

पथ प्रवाह संवाददाता, उत्तरकाशी। हनुमान मंदिर उत्तरकाशी में आज एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी समारोह में 91 वर्षीय वयोवृद्ध व्यक्तित्व हरि सिंह राणा के जीवन एवं उनके द्वारा किए गए सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यों पर आधारित लघु स्मारिका का विधिवत विमोचन किया गया। श्री हरि सिंह राणा उत्तरकाशी जनपद के वरिष्ठ जनसेवी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख, तथा वर्तमान में अष्टादश महापुराण समिति के अध्यक्ष एवं हनुमान मंदिर पंजीकृत समिति के अध्यक्ष हैं। स्मारिका विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि ÷यह आयोजन केवल एक व्यक्ति के सम्मान का नहीं, बल्कि उत्तरकाशी की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक

परंपरा और सामूहिक भावना का उत्सव है।

यह नई पीढ़ी को देशभक्ति से अनुप्राणित करने का सशक्त अभियान है : स्वामी शरद पुरी

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के हर महीने प्रथम रविवार दस बजे दस मिनट अभियान के तहत हुआ आयोजन

पथ प्रवाह संवाददाता, धीरज शर्मा

देशभर में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के तत्वावधान में चलाए जा रहे ÷हर महीने प्रथम रविवार, दस बजे दस मिनट स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों-शहीदों के नाम÷ अभियान के अंतर्गत आज देश के विभिन्न प्रांतों में एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, पुष्पांजलि और शहीदों की जीवनगाथाओं के वाचन के माध्यम से अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

हरिद्वार में यह कार्यक्रम अमर शहीद जगदीश वत्स पार्क (निकट जटवाड़ा पुल, ज्वालापुर) में आयोजित हुआ। इस अवसर पर शिवडेल स्कूल के संस्थापक स्वामी शरद पुरी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत भूषण विद्यालंकार ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया तथा शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इसके पश्चात जितेन्द्र रघुवंशी, हरित ऋषि विजय पाल बघेल, सुरेश चन्द्र सुयाल, अरुण पाठक तथा डॉ. नरेश मोहन सहित स्वतंत्रता सेनानी परिवारों, नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों ने भी माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया।

देशभर में निकलेगी स्वतंत्रता सेनानी शहीद सम्मान यात्रा: जितेन्द्र रघुवंशी

समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि समिति आगामी 13 अक्टूबर से पूरे देशभर में स्वतंत्रता सेनानी शहीद सम्मान यात्राएं प्रारंभ करने जा रही है, जिसकी शुरुआत मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से होगी।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रांत में सेनानी परिवारों की एकदिवसीय विशेष बैठकें आयोजित होंगी, जिनमें इस अभियान के विस्तार और संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

शाम के समय नगरों में सम्मान यात्राएं निकाली जाएंगी, जो स्मारकों और शहीद स्थलों तक पहुंचकर श्रद्धांजलि के रूप में समाप्त होंगी। इन यात्राओं में सेनानी परिवारों के साथ जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक भी भाग लेंगे।

उन्होंने कनाडा प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि वहाँ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की दसवीं-ग्यारहवीं पीढ़ी को भी सरकार द्वारा वही सम्मान और सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जो उनके पूर्वजों को मिली थीं। जबकि भारत में हम अपनी तीसरी और चौथी पीढ़ी की पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत पर गर्व करना चाहिए।

स्वामी शरद पुरी बोले – देशभक्ति की भावना जगाने वाला अभियान

इस अवसर पर स्वामी शरद पुरी ने कहा कि यह अभियान नई पीढ़ी को देशभक्ति से अनुप्राणित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अपने गुरु स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वामी हरिहरानंद की जीवनगाथा सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने बावड़ी के भीतर गुप्त प्रेस लगाकर क्रांतिकारी साहित्य छापा और वितरित किया। आज आवश्यकता है कि युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम की उस भावना से जोड़ा जाए,

जिसने देश को आज़ादी दिलाई।

भारत भूषण विद्यालंकार, हरित ऋषि विजय पाल बघेल और अरुण पाठक ने भी रखे विचार

हरित ऋषि विजय पाल बघेल ने कहा कि दुबई सहित कई देशों में स्वतंत्रता सेनानियों को मिलने वाले सम्मान से भारत को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सेनानियों के सपनों का भारत बनाने के लिए उनके परिवारों को विश्वास में लेना चाहिए। अरुण पाठक ने घर-घर जाकर सेनानी परिवारों को संगठित करने पर बल दिया, जबकि भारत भूषण विद्यालंकार, डॉ. नरेश मोहन और सुरेश चन्द्र सुयाल ने भी देशभक्ति और संगठन की भावना पर अपने विचार रखे।

श्रद्धांजलि और मौन प्रार्थना

कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विद्याधर वैष्णव के सुपुत्र तथा कैलाश चन्द्र वैष्णव के अग्रज बिपिन चन्द्र वैष्णव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। दिवंगत आत्मा की शांति और उनकी आगे की विकास यात्रा के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

अन्य स्थानों पर भी हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम

इसी क्रम में स्वतंत्रता सेनानी स्मृति स्तंभ हरिद्वार, वटवृक्ष सुनहरा रुड़की, स्वतंत्रता सेनानी स्तंभ रुड़की, भगवानपुर, लक्सर और बहादराबाद में भी प्रतिमाह की भांति श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर डॉ. नरेश मोहन, अरुण पाठक, दीपक पंवार, वीरेन्द्र गहलौत, रमेश चन्द्र गुप्ता, अरविन्द कौशिक, नरेन्द्र कुमार वर्मा, परमेश चौधरी, सुरेन्द्र छाबड़ा, शिवेन्द्र गहलोत, विवेक कुमार शर्मा, चमन कुमार, श्रीमती मधुबाला, स्वर्णिमा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और सेनानी परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

एक नजर

तीन युद्धों में शामिल रहे पूर्व सैनिक का निधन

पथ प्रवाह, जीवन सिंह बोहरा

पिथौरागढ़। देश के तीन महत्वपूर्ण 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में शामिल रहे 2 कुमाऊं रेजीमेंट से सेवानिवृत नायब सूबेदार आन सिंह खोलिया का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 1936 में जन्मे आन सिंह 1957 में कुमाऊं रेजीमेंट पर शामिल हुए तथा 2 कुमाऊं पर 22 वर्ष की गौरव मय सैन्य सेवा के साथ भारत पाक तथा चीन के 1962, 1965 और 1971 जैसे महत्वपूर्ण युद्ध के अलावा जम्मू असम तथा राजस्थान जैसे दुर्गम क्षेत्रों पर अपनी सेवाएं दी। उनके निधन पर उनके निवाश स्थान लुन्ठयूडा पर जाते हुए पूर्व सैनिक संगठन के माध्यम से सूबेदार मेजर उमेद सिंह मेहता साहब द्वारा दिवंगत पूर्व सैनिक को पुष्प चक्र अर्पित किया गया। पूर्व सैनिकों द्वारा तिरंगा व श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी गई। पूर्व सैनिक संगठन द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम पर सुबेदार मेजर रमेश सिंह महर, नारायण सिंह, गोपाल सिंह, गिरधर सिंह, शेर सिंह, धर्म सिंह, नवीन गुरुरानी, ललित सिंह सेना मेडल सहित अनेक पूर्व सैनिक तथा आम जनमानस उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु अधिकारियों से पिथौरागढ़ भ्रमण के अनुभवों की ली जानकारी

पथ प्रवाह संवाददाता। पिथौरागढ़। 100वें आधार कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ एक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी गोस्वामी ने देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके जनपद पिथौरागढ़ भ्रमण के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से जनपद में किए गए भ्रमण, प्रशासनिक कार्यों की समझ, विकास कार्यों की समीक्षा तथा क्षेत्रीय चुनौतियों के संदर्भ में संवाद स्थापित किया। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बताया कि पिथौरागढ़ जनपद भौगोलिक दृष्टि से अति संवेदनशील है तथा सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां प्रशासनिक दक्षता व तत्परता की अत्यधिक आवश्यकता होती है।

पुष्कर सिंह धामी सरकार दे रही सबसे अधिक कृषि क्षेत्र में सब्सिडी: कोश्यारी

पथ प्रवाह संवाददाता।

पिथौरागढ़। रजत जयंती उत्तराखंड स्थापना दिवस के अवसर पर कृषि केंद्र गैना में एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक प्रसार शिक्षा, पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा समस्त अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उप राज्यपाल महाराष्ट्र, गोवा, पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुलपति मनमोहन सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि रहे। भगत सिंह कोश्यारी ने अपने संबोधन में कहा, पूरे भारतवर्ष में उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार सबसे अधिक कृषि क्षेत्र में सब्सिडी दे रही है। सरकार और जनता के बीच अच्छा समन्वय स्थापित हुआ है। आज सभी को कृषि क्षेत्र में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का मौका है। विशेष रूप से महिलाओं को कृषि योजनाओं में प्राथमिकता देकर सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। महिलाएं न केवल परिवार की रीढ़ हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला भी। सरकार की सब्सिडी योजनाओं जैसे बीज वितरण, उर्वरक सहायता, सिंचाई सुविधाओं और महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसपी) के माध्यम से लाखों महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। यह सब्सिडी न केवल उत्पादकता बढ़ा रही है, बल्कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर लैंगिक समानता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।÷ पुष्कर सिंह धामी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में कृषि बजट में वृद्धि और सब्सिडी दरों को बढ़ाकर किसानों, खासकर महिला किसानों को राहत प्रदान की गई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उत्तराखंड में ग्रामीण महिला आजीविका मिशन के तहत संचालित योजनाओं से 36 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं, जो पर्यावरण-अनुकूल कृषि, पशुपालन और उद्यमिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

ग्राम बालाकोट की महिला कलावती देवी ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र गैना और अन्य सरकारी विभागों से प्राप्त सहायता के बल पर आज अपनी आजीविका का एक हर्षपूर्ण स्रोत बना लिया है। पहले सीमित संसाधनों से जूझने वाली कलावती ने सब्जी उत्पादन, जैविक खेती और स्वयं सहायता समूह (SHG) के माध्यम से न केवल अपनी आय दोगुनी की, बल्कि गाँव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। उनकी प्रगति की बातें सुनकर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी जी ने उन्हें खुलकर सराहा और कहा, ऐसी महिलाएँ ही भारत की आत्मनिर्भरता की सच्ची प्रतीक हैं। सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करके आपने न केवल अपना, बल्कि पूरे परिवार और समुदाय का जीवन संवारा है। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी विनोद गिरी गोस्वामी ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण की जानकारी दी। मेयर कल्पना देवलाल ने कृषि क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं ही समाज को आगे ले जाती हैं। इस अवसर पर दर्जा राज्य गणेश भंडारी जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद जिला अध्यक्ष भाजपा गिरीश जोशी मेयर कल्पना देवलाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका बोहरा मुख्य कृषि अधिकारी अमरेंद्र चौधरी प्रबंधक मत्स्य डॉक्टर राजेश चलाल डॉ. जी.एस. बिष्ट, वैज्ञानिक डॉ. अलंकार सिंह, डॉ. अभिषेक बहुगुणा, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. कंचन आर्या, आदि मौजूद रहे।

एक नजर

थाना दिवस पर सुनी लोगों की समस्याएं

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के क्रम में तथा पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, रेखा यादव के आदेशानुसार जनपद पुलिस थाना दिवस का आयोजन कर रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली डीडीहाट, संजय जोशी के नेतृत्व में ग्राम चुपड़ा खेत डीडीहाट थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं व सुझावों से पुलिस को अवगत कराया। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को साइबर क्राइम से बचाव के उपाय बताए। साथ ही, नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। जनपद पुलिस का उद्देश्य – पुलिस और जनमानस के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करना, ताकि पुलिसिंग और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बन सके।

हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में सड़क पर हुड़दंग मचाने वाले 10 युवक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना सिडकुल पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क पर हुड़दंग मचाने वाले 10 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को थाना क्षेत्र में 10 व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक मार्ग पर शोर-शराबा एवं हुड़दंगबाजी की जा रही थी, जिससे राहगीरों और आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मौके पर उपस्थित लोगों ने भी उक्त युवकों के व्यवहार का विरोध किया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण होती जा रही थी। सूचना मिलते ही थाना सिडकुल पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची और सभी व्यक्तियों को समझाने का प्रयास किया, किंतु वे नहीं माने। अंततः पुलिस ने शांति भंग करने और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में सभी को धारा 170 BNSS के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्रवाई के उपरांत आज ही माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

गिरफ्तार अभियुक्तगण —

1. अंकुर सैनी पुत्र प्रेमचन्द्र सैनी, मूल निवासी मुबारकपुर थाना गंगोह जिला सहारनपुर, हाल निवासी मिनाक्षीपुरम कॉलोनी थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 29 वर्ष।
2. सुमित पुत्र धीरेन्द्र, निवासी सुखेड़ी थाना गंगोह जिला सहारनपुर, हाल निवासी नेहरू कॉलोनी थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 20 वर्ष।
3. मोहित सैनी पुत्र धीरेन्द्र सैनी, निवासी सुखेड़ी थाना गंगोह जिला सहारनपुर, हाल निवासी नेहरू कॉलोनी थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 24 वर्ष।
4. निखिल पुत्र अरुण कुमार, निवासी विलासपुर थाना मण्डावर जिला बिजनौर, हाल निवासी महादेवपुरम थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 24 वर्ष।
5. दीपक शर्मा पुत्र गंगादास, निवासी चरौली निवादा थाना भुराकला जिला मुज़फ्फरनगर, हाल निवासी महादेवपुरम नेहरू कॉलोनी थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 28 वर्ष।
6. दीपक शर्मा पुत्र सतेन्द्र शर्मा, निवासी ग्राम मथना थाना असमोली जिला सम्भल, हाल निवासी महादेवपुरम थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 24 वर्ष।
7. केशव शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा, निवासी पेली सतुपरा थाना असमोली जिला सम्भल, हाल निवासी नेहरू कॉलोनी थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 30 वर्ष।
8. गौरव शर्मा पुत्र राजकुमार, निवासी पेली सतुपरा थाना असमोली जिला सम्भल, हाल निवासी नेहरू कॉलोनी थाना सिडकुल हरिद्वार, उम्र 25 वर्ष।
9. अजय कुमार पुत्र जगराम, निवासी मस्जिदीया थाना गौरा चौराहा जिला बलरामपुर, हाल निवासी महादेवपुरम थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार, उम्र 30 वर्ष।
10. नन्द लाल पुत्र देवेन्द्र कुमार, निवासी खेरा बाजार थाना कठेला जिला सिद्धार्थनगर, हाल निवासी महादेवपुरम थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार, उम्र 31 वर्ष।

पुलिस टीम – 1. उप निरीक्षक अनिल बिष्ट, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार, कांस्टेबल कुलदीप डिमरी (नं0 930), थाना सिडकुल, PRD जवान राकेश कुमार (नं0 6430)

रा.बा.इ.का. पोखरी में क्वांटम युग का आरंभ

संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर विज्ञान संगोष्ठी आयोजित

19 विद्यालयों के 29 छात्र-छात्राओं ने लिया उत्साहपूर्वक प्रतिभाग

पथ प्रवाह, पोखरी (चमोली) / संदीप बर्तवाल

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पोखरी में विकासखंड स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन ÷क्वांटम युग का आरंभ = संभावनाएं और चुनौतियां÷ विषय पर किया गया। इस संगोष्ठी में विकासखंड के 19 विद्यालयों से 29 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और अपने वैज्ञानिक विचारों एवं प्रस्तुतीकरण से उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि कु. नेहा भट्ट, उप शिक्षा अधिकारी पोखरी द्वारा किया गया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कहा कि क्वांटम तकनीक भविष्य की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिससे शिक्षा, संचार, स्वास्थ्य, रक्षा और अनुसंधान जैसे अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन संभव हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने भी क्वांटम युग की उपयोगिता एवं इसके विविध क्षेत्रों में प्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विज्ञान ब्लॉक सह-समन्वयक सुरेन्द्र राणा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करती हैं, अनुसंधान के प्रति जिज्ञासा जगाती हैं और समाज में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करती हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक एवं प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी रावत के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर राजकीय शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष महावीर जग्गी, मुख्य निर्णायक दयाल गाड़िया, निर्णायक सतीश चंद्र खाली, अजयपाल रावत, श्रीमती पूनम रानी नेगी सहित सभी मार्गदर्शक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के समापन पर सभी चयनित छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या श्रीमती रावत ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर यह घोषणा की गई कि इस प्रतियोगिता में चयनित प्रथम और द्वितीय प्रतिभागी आगामी 8 अक्टूबर 2025 को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, गौचर में आयोजित जनपदीय विज्ञान संगोष्ठी में अपने मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ प्रतिभाग करेंगे।

कैलास से कन्याकुमारी तक एकता ही भारत की शक्ति : त्रिवेन्द्र

दून विश्वविद्यालय में दीपावली फेस्ट 'अनीक्षा' में बोले हरिद्वार सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, संवाददाता, देहरादून।

हरिद्वार सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि कैलास से कन्याकुमारी तक फैली भारत भूमि की एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। वे शनिवार को दून विश्वविद्यालय छात्र परिषद द्वारा आयोजित दीपावली फेस्ट 'अनीक्षा' में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गढ़वाली, कुमाऊनी, जौनसारी, पंजाबी, गुजराती और राजस्थानी लोक नृत्यों से लेकर शास्त्रीय नृत्यों तक अपनी विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का मनमोहक प्रदर्शन किया। रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को लोक संस्कृति और उत्सव की भावना से सराबोर कर दिया। सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि 'अनीक्षा' जैसे आयोजन न केवल छात्रों के आत्मविश्वास, सृजनशीलता और व्यक्तित्व विकास के मंच हैं, बल्कि ये लोककला, लोकभाषा और परंपराओं के संरक्षण का सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को अपने जीवन का संकल्प बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।

जब देश का युवा स्वदेशी को अपनी जीवनशैली बनाएगा, तभी भारत विश्व मंच पर अग्रणी बनेगा। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत की अखंडता, संस्कृति, आत्मनिर्भरता और शक्ति का मूल मंत्र एक भारत, श्रेष्ठ भारत में निहित है। उन्होंने युवाओं से आवाहन किया– युवा इस भावना को सशक्त बनाकर हिमालय से सागर तक फैली इस पवित्र भूमि को एक सजग प्रहरी की तरह सवाँरने का संकल्प लें।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल, कुलसचिव दुर्गेश डिमरी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एच.सी. पुरोहित, डॉ. सुनीत नैथानी, डॉ. राजेश भट्ट, प्रो. दीपक भट्ट, छात्र परिषद अध्यक्ष अंशुमन नौटियाल सहित परिषद पदाधिकारी और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री गंगा सभा का सहयोग: आपदा प्रबंधन हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को सौंपा 11 लाख का चेक

पथ प्रवाह, संवाददाता

देहरादून/हरिद्वार। उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन के लिए सहयोग की भावना प्रदर्शित करते हुए श्री गंगा सभा, हरिद्वार ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 11,00,000 (ग्यारह लाख रुपये) की धनराशि भेंट की। गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम और महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर यह राशि सहयोग स्वरूप सौंपी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने गंगा सभा के इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में जनसहयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित कर रही है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों का यह सहयोग अत्यंत प्रेरणादायक है। गंगा सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि मां गंगा की अविरलता और स्वच्छता के साथ-साथ समाज के प्रति सेवा भावना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब भी प्रदेश किसी आपदा से प्रभावित होता है, गंगा सभा समाज के सहयोग हेतु सदैव तत्पर रहती है। मुख्यमंत्री ने श्री गंगा सभा के प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस तरह का सहयोग प्रदेश की एकजुटता और सेवा भावना का प्रतीक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य संस्थाएँ और सामाजिक संगठन भी आगे आकर राज्य के आपदा प्रबंधन प्रयासों में योगदान देंगे।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com